यीडा क्षेत्र बनेगा सेमीकंडक्टर हब, दो और फैक्ट्रियां लगेंगी

सेक्टर10 में जमीन आवंटन के लिए यीडा दे चुका है सैद्धांतिक सहमति

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: यीडा क्षेत्र भविष्य में सेमीकंडक्टर इकाई के हब के रूप में विकसित होगा। देश के पहले डिस्प्ले ड्राइवर सेमीकंडक्टर ओएसएटी आउटसोर्स सेमीकंडक्टर एसेंबली एंड टेस्टिंग इकाई में दो साल में उत्पादन शुरू होगा। इसका शिलान्यास 21 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर चुके हैं। दो इकाइयों को स्थापना के लिए अभी केंद्र की मंजूरी का इंतजार है।

प्रदेश सरकार की सैद्धांतिक सहमति के बाद दोनों कंपनियों के प्रस्ताव विचाराधीन हैं। यीडा क्षेत्र निवेश को लेकर देश विदेश में पहली पसंद बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर व जापान दौरे के दौरान भी यीडा क्षेत्र में निवेश को लेकर निवेशकों का खास आकर्षण रहा है। प्रदेश सरकार यीडा क्षेत्र में तकनीकी का पूरा ईको सिस्टम तैयार करने की दिशा में काम कर रही है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) हब से लेकर डाटा सेंटर व

एडिटेक सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड व कायन्स सेमीकान प्रा.लि.को केंद्र से स्वीकृति का इंतजार

ग्रेनो स्थित यमुना प्राधिकरण कार्यालय

सेमीकंडक्टर इकाई को स्थापित किया जा रहा है। यीडा क्षेत्र में सेमीकंडक्टर की दो इकाइयां एडिटेक सेमीकंडक्टर्स प्रा.लि. और कायन्स सेमीकान प्रा.लि.भी जल्द स्थापित हो सकती हैं। दोनों कंपनियों को इकाई लगाने के लिए यीडा की ओर से भू आवंटन का आशय पत्र जारी हो चुका है। सेक्टर 10 में भू आवंटन पर यीडा की सैद्धांतिक सहमति के बाद प्रदेश सरकार भी उनके प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति दे चुकी है। दोनों कंपनियों के प्रस्ताव फिलहाल केंद्र के पास विचाराधीन हैं। एडिटेक यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में कंपाउंड सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट व कायन्स सेमीकंडक्टर ओसेट यूनिट स्थापित करेगा। तीनों सेमीकंडक्टर यूनिट के जरिये यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में हजारों करोड़ का निवेश व हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। यमुना प्राधिकरण के एसीईओ शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि देश सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उत्तर भारत की पहली सेमीकंडक्टर इकाई का शिलान्यास हो चुका है। देश के पहले डिस्प्ले ड्राइवर सेमीकंडक्टर ओएसएटी आउटसोर्स सेमीकंडक्टर एसेंबली एंड टेस्टिंग इकाई होगी। यीडा क्षेत्र में सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापना के लिए दो और प्रस्ताव अभी विचाराधीन हैं। इन दोनों इकाइयों के स्थापित होने से यमुना प्राधिकरण क्षेत्र की सेमीकंडक्टर के हब के तौर पहचान और मजबूत होगी।